Agrawal Publications
Igniting Minds !

तिलका माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर

बी.एड. पाठ्यक्रम–प्रथम एवं द्वितीय वर्ष

AGRAWAL PUBLICATIONS®

विषय–सूची

इस पुस्तिका में आपके विश्वविद्यालय का पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रमानुसार हिन्दी व अंग्रेजी पुस्तकों की सूची तथा आपके निकटतम् पुस्तक विक्रेता की जानकारी संलग्न है।

विशेष सूचना

कृपया उपरोक्त लोगो की पुस्तकें ही खरीदें। बाजार में इससे मिलती–जुलती अन्य पुस्तकों से सावधान रहें। इस पाठ्यक्रम को प्रकाशित करने में प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है। कृपया विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम से मिलान कर लें। किसी भी त्रुटि के लिए प्रकाशक जिम्मेदार नहीं है।

सम्पर्क सूचना

Address: 28/115, Jyoti Block, Sanjay Place, Agra-2
E-mail : sales@agpgroup.in **Website :** www.agpgroup.in
Whatsapp Helpline: 8937099777
Join Telegram for Books Updates t.me/agplive

I Year

Code	Course Title	Credit	Theory	Practicum	Total
C-1	Childhood and Growing Up	4	80	20	100
C-2	Contemporary India and Education	4	80	20	100
C-3	Learning and Teaching	4	80	20	100
C-4	Language across the Curriculum	2	40	10	50
C-5	Understanding Disciplines and Subjects	2	40	10	50
C-6	Gender, School and Society	2	40	10	50
C-7a	Pedagogy of a School Subject–Part I	2	40	10	50
EPC-1	Reading and Reflecting on Texts	2	40	10	50
EPC-2	Drama and Art in Education	2	40	10	50
EPC-3	Critical Understanding of ICT	2	40	10	50
	Total	*26*	*520*	*130*	*650*

Engagement with the Field: Tasks and Assignments for Courses 1-6 & 7a.

C-1 : CHILDHOOD AND GROWING UP

Unit 1: शिक्षार्थी : बचपन और विकास

- बचपन की अवधारणा : ऐतिहासिक व समकालीन परिप्रेक्ष्य; प्रमुख विमर्श
- बचपन के दौरान प्रमुख कारक : परिवार, पड़ोस, समुदाय और विद्यालय
- बच्चे, बचपन और उनका विकास : समकालीन वास्तविकता, बिहार के विशेष संदर्भ में

Unit-2 : मानव विकास की समझ

- मानव विकास में प्रमुख अवधारणाएं : वृद्धि, परिपक्वता एवं विकास की अवधारणा; वृद्धि रेखा तथा मानव विकास के संदर्भ में इसकी उपयोगिता; विकास के बुनियादी सिद्धांत
- प्रमुख मुद्दे : प्रकृति बनाम पालन-पोषण, निरन्तरता बनाम असातत्य; सार्वभौमिक बनाम संदर्भगत
- शिक्षार्थी का विकास : शारीरिक, संज्ञानात्मक, भाषायी, भावात्मक, सामाजिक व नैतिक; इनके बीच का अंतर्सम्बंध और शैक्षिक निहितार्थ (पियाजे, इरिक्सन, कोह्लबर्ग और गिलिगन के सिद्धांतों के विशेष संदर्भ में)

Unit-3 : किशोरावस्था में शिक्षार्थी

- किशोरावस्था की अवधारणा : रूढ़िगत मान्यताएं, सही समझ की जरूरत, प्रमुख मुद्दे और कारक
- किशोरावस्था को विशेष ध्यान में रखते हुए विकास की अवस्थाओं एवं उनकी विशेषताओं की समझ
- किशोरावस्था में शिक्षार्थियों की गतिविधियां, आकांक्षाएं, द्वंद एवं चुनौतियां, और उनसे बर्ताव करने के तरीके

Unit-4 : समाजीकरण और शिक्षार्थी का संदर्भ

- समाजीकरण की अवधारणा : प्रमुख विमर्श, इसके माध्यम के रूप में शिक्षा तथा प्रमुख कारक; समाजीकरण का पारिस्थितिक सिद्धांत (ब्रोनफेनब्रेनर)
- समाजीकरण की संस्थाएं एवं उनकी भूमिका : परिवार, समुदाय, विद्यालय, मित्रमंडली, शिक्षक, मीडिया, बाजार, अन्य औपचारिक व अनौपचारिक संस्थाएं; सामाजिक संस्थाएं जैसे संस्कृति, वर्ग, जाति, जेण्डर आदि
- समाजीकरण की प्रक्रिया और सामाजिक वास्तविकताएं : असमानता, द्वंद, हाशियाकरण और इनका बच्चों व किशोरों पर पड़ता प्रभाव

Unit-5 : शिक्षार्थियों में विविधता की समझ

- मानवीय विविधता की प्रकृति एवं अवधारणा: भिन्नता, विजातीयता तथा विलक्षणता को सम्मान देना; सामाजिक एवं सांस्कृतिक विविधता;
- मनोवैज्ञानिक विशेषताओं के आधार पर भिन्नताओं के आयाम : बौद्धिकता, क्षमता, अभिरूचि, अभिवृत्ति, सृजनात्मकता, व्यक्तित्व
- विविध संदर्भों के शिक्षार्थियों की समझ : सामाजिक, सांस्कृतिक, समुदाय, धर्म, जाति, वर्ग, जेण्डर, भाषा और भौगोलिक स्थिति, मीडिया, बाजार, तकनीक व वैश्वीकरण
- विद्यालय में विविधता की समझ

पाठ्य-पुस्तकें

ED1091 बाल्यावस्था एवं उसका विकास —रीता चौहान/पी. डी. पाठक

EDG93 New Approach to Educational Psychology –Rita Chauhan

C-2 : CONTEMPORARY INDIA AND EDUCATION

Unit-1 : भारत में शिक्षा

- शिक्षा : अतीत से वर्तमान तक

हड़प्पा, वैदिक, बौद्ध, ...

- मध्यकाल में शिक्षा (मकतब, मदरसा व संस्कृत शिक्षा) एवं अठारहवीं शताब्दी के दौरान की देशज शिक्षा व्यवस्था
- ब्रिटिश औपनिवेशिक काल के दौरान उभर कर आयी शिक्षा व्यवस्था : मिशनरी स्कूल, ब्रिटिश राज के अंतर्गत गठित औपचारिक शिक्षा की व्यवस्था; भारतीयों द्वारा गठित शैक्षिक संस्थाएं एवं आंदोलन (जैसे कि यंग बंगाल आंदोलन, देवबंद, आर्यसमाज, अलीगढ़, सत्यशोधक समाज, जामिया स्कूल, बुनियादी शिक्षा)
- स्वतंत्रता पश्चात, भारत में शिक्षा का विकास (बिहार में शिक्षा के ऐतिहासिक विकास को ध्यान में रखते हुए)

Unit-2 : शिक्षा की अवधारणा

- शिक्षा : महत्व एवं प्रकृति; 'शिक्षित व्यक्ति कौन है' इसका विश्लेषणात्मक समझ
- भारतीय चिंतकों के शिक्षासम्बंधी विचारों का विश्लेषणात्मक समझ : सैयद अहमद खां, ज्योतिबा फुले, स्वामी विवेकानन्द, श्री अरविन्दो, पंडित मदन मोहन मालवीय, डॉ. जाकिर हुसैन, मौलाना अबुल कलाम आजाद, डॉ. एस. राधाकृष्णन, डॉ. बी.आर.अम्बेडकर, जे. कृष्णमूर्ति
- पाश्चात्य चिंतकों के शैक्षिक विचारों का विश्लेषणात्मक समझ : प्लेटो, रूसो, जॉन डीवी, पॉलो फ्रेरे
- गांधी के 'हिन्द स्वराज' और टैगोर के 'शिक्षा' के माध्यम से शिक्षा की समझ

Unit-3 : शिक्षा का संवैधानिक एवं सामाजिक संदर्भ

- संवैधानिक संदर्भ : भारतीय संविधान में सामाजिक न्याय के साधन के रूप में शिक्षा संवैधानिक मूल्यों एवं शिक्षा (प्रस्तावना, मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों), निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा 2010 (आर. टी. ई.) का अधिकार एवं समावेशन, समवर्त्ती शिक्षा एवं इसके निहितार्थ
- सामाजिक संदर्भ : भारतीय समाज की संरचना तथा शिक्षा के निहितार्थ : भाषा, धर्म, जाति, वर्ग, लिंग, क्षेत्र एवं असामान्य शिक्षार्थियों के संदर्भ में असामान्यता, भेदभाव (पक्षपात), (अ व) वर्जन तथा हाशिये (पार्श्व) पर रह रहे शिक्षार्थियों के जानने की समझ। दलितों, अतिपिछड़ों, अनुसूचित जनजातियों, बालिकाओं एवं धार्मिक अल्पसंख्यकों के संदर्भ में मुद्दे एवं चुनौतियों।
- विद्यालयी असमानता (सरकारी, निजी स्कूल, ग्रामीण–शहरी स्कूल)। उपर्युक्त वर्णित समूहों की शिक्षा में शिक्षकों एवं शिक्षा अभिकरणों की भूमिका। विविध सामाजिक-सांस्कृतिक एवं आर्थिक पृष्ठभूमि से बच्चों के नजरिये से जाँच के एक क्षेत्र रूप में कक्षाकक्ष प्रकृति की समझ।

Unit-4 : नीतियों के आलोक में शिक्षा की समझ

- नीतिगत परिप्रेक्ष्य में विद्यालय का विकास : भारत एवं बिहार के विद्यालयों में शैक्षिक प्रक्रियाओं (पाठ्यचर्या, शिक्षक, समुदाय) एवं तत्कालीन शिक्षा संरचना के स्रोत की समझ।
- आयोग के प्रतिवेदनों एवं नीतिगत दस्तावेजों को विषयक दृष्टि से आलोचनात्मक परख। तत्कालीन संदर्भ के आलोक में स्वतंत्रता से ही उनकी विशेषताओं पर विमर्श : यथा : मुदालियर आयोग, कोठारी आयोग, एन. पी. ई. 1986, राममूर्ति कामिटी 1990, यशपाल रिपोर्ट 1993, अन्तिम दो एन. सी. एफ., सी. सी. एस. रिपोर्ट 2007.
- शिक्षक एवं शिक्षा—नीतियाँ : कोठारी आयोग के संदर्भगत अध्याय, 1983-85 के राष्ट्रीय आयोग, एन. सी. एफ. टी. ई. 2009, जस्टिस वर्मा आयोग की रिपोर्ट एवं अन्य अध्यतन दस्तावेज की समझ।

Unit-5 : विद्यालय संगठन की समकालीन पद्धति

- विद्यालय संगठन, अवधारणा और प्रमुख अवयव, समुदाय एवं महत्वपूर्ण अवयव के रूप में। विद्यालय संगठन के कार्य सम्बन्धी आधारभूत सिद्धान्त। विद्यालय एक संगठन और संगठन के अंग के रूप में।
- विद्यालय और अन्य शैक्षिक संगठनों के बीच सम्बन्ध : शिक्षक—शिक्षा संस्थान, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के संस्थान (एस. सी. ई. आर. टी., एन. सी. ई. आर. टी,. एन. सी. टी. ई., यू. जी. सी., एन. एच. आर. डी.)।
- विद्यालय प्रबन्धन में योजना निर्माण : वार्षिक अकादमिक कैलेण्डर, दैनिक कार्यक्रम की रूपरेखा, समय सारणी, कर्मियों की बैठक, गतिविधियाँ, शिक्षार्थियों की समस्याएँ, गतिविधियाँ, विद्यालयी संस्थानों का प्रबन्धन (विद्यालय भवन, विद्यालय का बजट, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, खेल का मैदान, छात्रावास, विद्यालय का कार्यालय, स्वच्छता प्रबन्धन एवं अधिकतम उपयोगिता, विद्यालय का अभिलेख) आपदा प्रबन्धन एवं सुरक्षा की शिक्षा।

पाठ्य-पुस्तकें

ED1093 समसामयिक भारत और शिक्षा —एस. पी. रुहेला
EDG77 Philosophical and Sociological Pers. of Edu. –Bhavna Shukla

C-3 : LEARNING AND TEACHING

Unit-1 : अधिगम से सम्बंधित अवधारणाएं

- अधिगम/सीखना : विभिन्न विचारों से परिचय
- अधिगम को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक

- सीखने में एकाग्रता की भूमिका एवं इसका संवर्धन
- अंतर्सम्बंधों की विश्लेषणात्मक समझ : अधिगम और विकास, अधिगम और अभिप्रेरणा, अधिगम और बुद्धि

Unit-2 : अधिगम के सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य

- अधिगम से सम्बंधित सिद्धांतों के विकास का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
- अधिगम से सम्बंधित सिद्धांतों की समझ : व्यवहारवादी, मानवतावादी, संज्ञानवादी, सूचना-प्रक्रियाकरण मत, सामाजिक-सर्जनवादी दृष्टिकोण
- शिक्षार्थी और अधिगम सम्बंधी आधारभूत मान्यताएं
- विविध शैक्षिक स्थितियों में उनकी उपयोगिता
- सिद्धांतों की आलोचनात्मक समझ

Unit-3 : अधिगम और शिक्षण

- अधिगम-शिक्षण प्रक्रिया से संबंधित विविध दृष्टिकोणों की समझ : शिक्षक-केन्द्रित, विषय-केन्द्रित एवं बाल-केन्द्रित; 'ज्ञान के सम्प्रेषक', 'आदर्श', 'सुगमकर्ता' एवं 'सह-अधिगमकर्ता' के रूप में शिक्षक
- शिक्षण के सामाजिक-सर्जनवादी परिप्रेक्ष्य एवं इसके निहितार्थों की समझ
- सृजनात्मक अधिगम : अवधारणा एवं शिक्षणशास्त्रीय निहितार्थों की समझ
- अधिगम-शिक्षण के लिए सुगम माहौल का निर्माण : प्रमुख बिन्दु एवं चुनौतियां

Unit-4 : कक्षायी प्रक्रियाएं एवं सीखने की योजना

- कक्षायी प्रक्रियाएं : प्रभावी कारक; प्रमुख चुनौतियां, समय प्रबंधन, शिक्षक का सम्प्रेषण कौशल, शिक्षार्थियों की भूमिका
- विभिन्न कक्षायी गतिविधियों के अनुसार कक्षाकक्ष की बैठक व्यवस्था
- कक्षायी गतिविधियों को पाठ्यचर्या, शिक्षणशास्त्र एवं शिक्षण संसाधनों के साथ जोड़ना
- कक्षाकक्ष शिक्षण के संदर्भ में माइक्रो-टीचिंग और ब्लूम की टेक्सोनोमी की आलोचनात्मक समझ
- 'सीखने की योजना' की अवधारणा को समझना : पारम्परिक पाठ योजना को बदलकर सीखने की योजना का प्रयोग

Unit-5 : अधिगम, शिक्षण : प्रमुख मुद्दे एवं चुनौतियां

- अधिगम और शिक्षण : विद्यालयी प्रक्रियाओं की समकालीन वास्तविकता
- प्रमुख मुद्दे : मार्किंग बनाम ग्रेडिंग, बच्चों को फेल न करने की नीति (अनवरोध की नीति), वस्तुनिष्ठता बनाम विषयनिष्ठता
- अधिगम और शिक्षण का जुड़ाव : युक्तियां एवं चुनौतियां; शिक्षक की भूमिका

पाठ्य-पुस्तकें

ED1092 अधिगम एवं शिक्षण —एस. एस. माथुर
EDG93 New Approach to Educational Psychology –Rita Chauhan

C-4 : LANGUAGE ACROSS THE CURRICULUM

Unit-1 : शिक्षार्थी और उनकी भाषा

- भाषा का अर्थ : विविध रूप, व्यवस्था, संरचना एवं विशेषताएं; भाषा 'अर्जित' करने और भाषा 'सीखने' में अंतर
- शिक्षार्थियों में भाषा के ज्ञान को समझना; शिक्षार्थियों की भाषिक पूंजी; मातृभाषा का महत्व
- बच्चे भाषा कैसे सीखते हैं: चौम्स्की, ब्रुनर, पियाजे और वाईगोत्सकी के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए

Unit-2 : भाषाओं का संदर्भ और बहुभाषिकता

- भाषा, बोली और लिपि
- बहुभाषिकता की अवधारणा; भारत और बिहार का बहुभाषिक परिदृश्य
- भाषा का सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक संदर्भ
- भाषा को अस्मिता, सत्ता और जेण्डर से जोड़कर देखना
- भारत में भाषा सम्बंधी संवैधानिक प्रावधानों की समझ

Unit-3 : विद्यालयी पाठ्यचर्या में भाषा

- भाषा एक 'विषय' और एक 'माध्यम' के रूप में
- पाठ्यचर्या में भाषा की भूमिका एवं महत्व; मातृभाषा का स्थान; पाठ्यपुस्तकों की भाषा
- भाषा सीखने के उद्देश्यों की समझ : कल्पनाशीलता, सृजनात्मकता, संवेदनशीलता, कौशल विकास
- माध्यम भाषा : विभिन्न आयोगों व समितियों के सुझावों की चर्चा
- कक्षायी विमर्शों में भाषा को लेकर प्रमुख मुद्दे : बहुभाषिकता के प्रति दृष्टिकोण, भाषा शिक्षण को लेकर चुनौतियां (बिहार के विशेष संदर्भ में)

पाठ्य-पुस्तकें

ED1098 पाठ्यक्रम में भाषा —रोली द्विवेदी
EDG95 Language Across the Curriculum –Bhagwanti Gupta

C-6 : GENDER, SCHOOL AND SOCIETY

Unit-1 : जेण्डर की समझ

- जेण्डर और लिंग की अवधारणा
- जेण्डर पक्षपात, जेण्डर सम्बंधी रूढ़ीगत मान्यताएं, जेण्डर सशक्तिकरण की समझ
- भारत में जेण्डर का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
- जेण्डर और पितृसत्ता

Unit-2 : जेण्डर और समाजीकरण

- औरत और मर्द का बनना
- जेण्डर सम्बंधी सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य : समाजीकरण का सिद्धांत, जेण्डर विभेद, संरचनात्मक सिद्धांत, पुनर्रचनात्मक सिद्धांत
- जेण्डर अस्मिता और समाजीकरण की प्रक्रियाएं : धर्म, परिवार, समाज, मीडिया आदि की भूमिका

Unit-3 : जेण्डर अध्ययन : परिप्रेक्ष्यों का विकास

- स्त्री अध्ययन से जेण्डर अध्ययन की तरफ विकास
- जेण्डर से संबंधित शोधों का संदर्भ
- जेण्डर सम्बंधी प्रमुख सामाजिक सुधार आंदोलनों की समझ
- जेण्डर सम्बंधी संवैधानिक, कानूनी एवं नीतिगत प्रयास

Unit-4 : जेण्डर और शिक्षा : पाठ्यचर्या, शिक्षणशास्त्र एवं शिक्षक

- विद्यालय और पाठ्यचर्या : जेण्डर संवेदनशीलता का प्रश्न, जेण्डर और प्रच्छन्न पाठ्यचर्या, विद्यालय के जगहों एवं प्रक्रियाओं का जेण्डर के दृष्टिकोण से विश्लेषण
- पाठ्यपुस्तकों एवं शिक्षणशास्त्र में जेण्डर : पाठ्यपुस्तकों तथा कक्षा शिक्षण में जेण्डर की छवि की समीक्षा
- जेण्डर समानता में शिक्षा की भूमिका : लड़कियों की शिक्षा का महत्व
- शिक्षक की परिवर्तनकारी एवं जेण्डर संवेदनशील भूमिका

पाठ्य-पुस्तकें

ED1094 लिंग, विद्यालय एवं समाज —प्रतिमा त्रिपाठी

EDG91 Gender, School and Society –Vinoti Ojha Trivedi

PC: PEDAGOGY OF SOCIAL SCIENCES

Unit-1 : The Context of Social Sciences

- Distinguishing between Natural and Social Sciences
- Social Sciences: Concept of Social Science and Social Studies and major Social Sciences disciplines in Schools; Cross Cultural Perspectives and Issues in Social Science
- Aims and objectives of teaching Social Science at secondary level
- Social Sciences: Uniqueness of disciplines I interdisciplinarity; multiple perspectives/plurality of approaches for constructing explanations and arguments.

Unit-2 : Teaching-Learning Resources in Social Sciences

- People as resource: The significance of oral data.
- Types of Primary and Secondary Sources: Data from field, textual materials, journals, magazines, newspapers, etc.
- Using the library for secondary sources and reference material, such as dictionaries and encyclopaedias.
- Various teaching aids: Using atlas as a resource for Social Sciences; maps, diagrams, globe, charts, models, graphs, Audio-visual aids, CD-Rom, multimedia, internet.
- Importance of excursion in Social Sciences
- Learning Plan for Social Sciences: Nature and Structure

Unit-3 : Social Sciences Curriculum and Textbooks for Schools in India

- Curriculum development process: National and State levels.
- Studying the Social Sciences syllabus – aims and objectives, content sys ing on and presentation of any State Board and CBSE for different stages of school education.
- Analysing textbooks in Social Sciences in the light of the syllabus and from the perspective of the child (Textbooks of the same class may be taken up for all subjects in Social Sciences)

Unit-4 : Assessment for Learning in Social Sciences

- Characteristics of Assessment in Social Sciences: Types of questions best suited for examining/assessing/understanding the different aspect of Social Sciences; Questions for testing quantitative skills, Questions for testing qualitative analysis; Open-ended questions
- Open-book tests: Strengths and limitations
- Evaluating answers: What to look for? Assessing projects: What to look for?

Sciences.

- Analysing question papers of any State Board/CBSE and NCERT's textbooks in the light of the subject specific requirements in terms of understanding and skills.

Unit-5 : Inter-Disciplinarity in Social Sciences

- Geography and Economics: Transport and communication in a region – assessing current position with reference to development needs
- History and Civics: Socio-political systems
- Economics and History: Agrarian change in India; Industrialisation in India
- History and Geography: Migration of people in a particular region—past and present trends
- Civics and Geography: Sharing resources between regions/states and nations (e.g. water)
- Economics and Civics: Family budget and impact of change in prices of essential commodities.

पाठ्य-पुस्तकें

ED841	**सामाजिक विज्ञान का शिक्षणशास्त्र**	**–रोमा श्रीवास्तव**
EDG94	**Teaching of Social Science**	**–Hena Siddiqui**

PC: PEDAGOGY OF GEOGRAPHY

Unit-1 : Geography Education: Perspective and Development

- Meaning, nature and Importance of geography
- Reflecting on the aims and objectives of teaching geography
- Geography and Human beings: Sustainability and cultivation of organic relationship
- Relationship of geography with other social and natural science subjects.
- Basic Principles and Approaches for the construction and thematic organization of geography curriculum at secondary level.

Unit-2 : Developing Skills in Geography

- Observation, recording and interpretation of physical and social features and phenomena; Reading and interpreting geographical information through tables, figures, diagrams, photographs; Use of Globe; Map reading and interpreting using scale (distance), direction, symbols, point, line and area; Visual-to-verbal and verbal-to-visual transformation leading to mental mapping; Identifying, constructing

and asking geographical questions; Developing and gathe relevant information and data and sys ing them to an geographical questions and offering explanations and interpreta of their findings; applying acquired knowledge and skill understanding the wider world and taking personal decisions; ta up activities to study environmental degradation in the local and its preservation methods; studying any disaster involving factors at the local/global levels; Importance of excursion developing skills in Geography

Unit-3 : Pedagogy and Assessment in Geography

- Methods: Questioning; Collaborative strategies; Games, simulati and role plays; Problem-solving and decision-making; Interac verbal learning; Experiential learning through activiti experiments; Investigative field visits based on students' interests with teacher's support as facilitator; Engagement w places' at an emotional or sensory level using art, poetry and literatu
- Techniques: Using textbooks and atlas as a part of oral lessons, n oral working lessons; using medium and large scale maps; us pictures, photographs, satellite imageries and aerial photograp using audio-visual aids, CDs, multimedia and internet; case stu approach.
- Learning Plan for Geography: Nature and Structure
- Evaluation & Assessment Modes: formative-summative evaluati Continuous and Comprehensive Evaluation Programme, Se assessment, Peer assessment, Group assessment, Learners' profi Open-book exams, Learners' portfolio.

पाठ्य-पुस्तकें

ED046 **भूगोल शिक्षण** —एच. एन. सिं

PC: PEDAGOGY OF HISTORY

Unit-1 : History: Principles and Practices

- Understanding history: Conceptual basis of history as a disciplin historical sources, objectivity and truth.
- Philosophy of history- Speculative, Analytic, The end of history- th post modernist challenge.
- Need and importance of history at school level.

- Correlation of History with other social and natural sciences.
- Basic Principles and Approaches for the construction and thematic organization of History curriculum at secondary level

Unit-2 : Developing Skills in History

- Observation of skills relating to primary and secondary data; Observing coins, inscriptions (if available), the material remains of the past and visuals; Helping children to read passages from primary sources; Thinking about what all these sources might or might not reveal; Learning to analyse critically and to argue; Observing how arguments have been made in the standard secondary sources and how these muster facts and evidences; Helping children to develop oral and written expression; Importance of excursion in developing skills in History

Unit-3 : Pedagogy and Assessment in History

- Historical Method: Evidence, facts, arguments, categories and perspective; Distinctions between fact and opinion and between opinion, bias and perspective; Evidence-based History teaching; primary sources and the construction of History; Thinking in terms of problems for analysis in History.
- Pedagogical Concerns Regarding School History: Interactive, constructivist and critical pedagogies in History; Going beyond the textbook; Getting children to craft little nuggets of History from primary sources;
- Learning Plan for History: Nature and Structure
- Evaluation & Assessment Modes: Formative-Summative Evaluation, Continuous and Comprehensive Evaluation Programme, Self-assessment, Peer assessment, Group assessment, Learners' profile, Open-book exams, Learners' portfolio.

पाठ्य-पुस्तकें

ED041 इतिहास का शिक्षणशास्त्र —गुरसरनदास त्यागी
EDG61 Methodology of Teaching History –Gursarandas Tyagi

PC: PEDAGOGY OF CIVICS

Unit-1 : Civics: Principles and Practices

- Meaning, nature and scope of Civics and its philosophical and theoretical basis.
- Concept of Civics and Political Science.

Unit-2 : Issues ...

- Construction of knowledge and process of knowledge generation Civics.
- Pre-conceptions and misconceptions in Civics
- Critical pedagogy in Civics
- Development of Teacher as a Reflective Practitioner and a Research
- Teaching Civics to the learners with special needs (differently abled and gifted).

Unit-3 : Pedagogy and Assessment in Civics

- Aims and objectives of teaching Civics in a Democratic Country.
- Approaches of teaching Civics: Inductive, Deductive, Inter-disciplinary and Constructivist approaches.
- Methods of Teaching Civics: story telling, lecture, question-answer discussion, text-book; problem solving, project, source, activity methods, observation, excursion, dramatization, current events, community recourses, mass media.
- Material and Aids for Teaching- Learning Processes: Typologies and Justification.
- Learning Plan for Civics: Nature and Structure
- Evaluation & Assessment Modes: Formative-Summative Evaluation, Continuous and Comprehensive Evaluation Programme, Self-assessment, Peer assessment, Group assessment, Learners' profile, Open-book exams, Learners' portfolio.
- Application of ICT in a Civics classroom

पाठ्य-पुस्तकें

ED755 नागरिकशास्त्र का शिक्षणशास्त्र —रोमा श्रीवास्तव

PC: PEDAGOGY OF ECONOMICS

Unit-1 : Economics: An Introduction

- Economics and Commerce
- Meaning, nature and scope of Economics
- Need and importance of teaching Economics at schools (Secondary and Senior Secondary level)

- Relationship and sharing of Economics with other disciplines and its role and position in constituting inter-disciplinarily.
- Economics teaching at micro and macro level.

Unit-2 : Curricular Content of Pedagogy

- Aims and objective of learning and teaching of Economics at school (Secondary and Senior Secondary level).
- Approaches/Perspectives and principles of constructing curriculum for school Economics (With respect to independent or integrated or inter disciplinary).
- Critical understanding of Curriculum, Syllabus and textbooks of school Economics.

Unit-3 : Pedagogy and Assessment in Economics

- Teaching-Learning Methods in Economics: In addition to usual methods like lecture, discussion, storytelling, other methods like problem-solving, simulation games, use of media and technology, concept mapping, project and activities like field visits (e.g. visit to a construction site for data on wages and employment), collection of data from documents (e.g. Economic Survey, Five Year Plan), analyzing and interpreting data (using simple tables, diagrams and graphs) can be undertaken. Self-study and collaborative learning activities should be encouraged.
- Teaching-Learning Materials: Using textbook, analysis of news (Newspaper, TV, and Radio); documents (e.g. Economics Survey, Five Year Plan), Journals and News Magazines.
- Learning Plan for Economics: Nature and Structure Evaluation & Assessment Modes: Formative-Summative Evaluation, Continuous and Comprehensive Evaluation Programme, Self-assessment, Peer assessment, Group assessment, Learners' profile, Open-book exams, Learners' portfolio

पाठ्य-पुस्तकें

ED484	अर्थशास्त्र शिक्षण का प्रणाली विज्ञान	—गुरसरनदास त्यागी
EDG46	Teaching of Economics	–J. C. Aggarwal

PC: PEDAGOGY OF COMMERCE

Unit-1 : Commerce Education: Issues and Concerns

- Nature of Commerce and its evolution as an area of study.
- Generation of knowledge in Commerce: Understanding the role of Research, Role of Business institutions, Legal dimensions, Trade practices and Industry.

- Relationship of Commerce with other disciplines such as Geography, Law, Psychology, Sociology and Economics.
- Commerce Education in everyday life.

Unit-2 : Commerce Curriculum: Issues and Concerns

- Place of Commerce in school curriculum.
- Aims, objectives of teaching Commerce
- Structure of Commerce curriculum.
- Organization of content in Commerce.
- Policy perspectives.
- Analyses of commerce syllabus: focusing on their structure organization of content.

Unit-3 : Pedagogy and Assesment in Commerce

- Teaching-learning Process: Lecture, Interaction, Question-Answer technique, Discussion, Seminar, Case Study, Role-Playing, Report back sessions, Project and Problem solving.
- Planning the Teaching-Learning process: Development of Unit plans and Learning plans.
- Learning Materials: Relevance, selection and use.
- Role of ICT in Commerce Education: Need, function and techniques E-commerce, E-learning environments and Commerce pedagogy.
- Related pedagogic issues: Reflective teaching; Inclusion and culturally responsive pedagogy; Action research in commerce classroom.
- Assessment in Commerce: Quantitative techniques of test construction and statistical analysis of test results; Assessment modes Self-assessment, Peer Assessment, Group Assessment, Learners' profile, Open-book exams, Learners' Portfolio; Enrichment after Assessment.

पाठ्य-पुस्तकें

ED193 वाणिज्य शिक्षण —गुरसरनदास त्यागी

PC: PEDAGOGY OF SCIENCES

Unit-1 : Nature of Science and Science Education

- Nature of Science: Science as a process and science as a body of knowledge
- Science-Technology-Society interface
- Aims of teaching Science: Objectives of teaching as secondary and senior secondary level.
- Science Education in the context of India: policy perspectives

PC: PEDAGOGY OF CHEMISTRY

Unit-1 : Nature of Chemistry and Its Role in Society

- The nature of Chemistry as a discipline in science, majore landmarks in the development of knowledge in chemistry.
- Chemistry in socio-cultural and historical perspective with focus on societal issues and concerns which relate to the role of chemistry in Society
- Contemporary curriculum and syllabus of Chemistry

Unit-2 : Teaching Learning Process in Chemistry

- Teaching learning process in chemistry (with reference to the socio-cultural and developmental context of the learner): Problem solving, experementaion, peer learning, seminar presentation
- Simulated teaching and demonstration of activities in chemistry
- Chemistry in daily life of the learners and its utility for enriching classroom learning
- Nature and structure of Learning Plan
- Assessment in Chemistry.

Unit-3 : Laboratory and Related Work in Chemistry

- Organisation of chemistry laboratory: layout and design
- Storage of apparatus and chemicals
- Safety measures in chemistry laboratory
- Conduct and assessment of laboratory experiments and project work

पाठ्य-पुस्तकें

रसायन विज्ञान शिक्षण –In Press

PC: PEDAGOGY OF PHYSICS

Unit-1 : Nature of Physics

- A historical perspective: the development of physics as discipline
- The nature of Physics in the senior secondary school curriculum
- Aims and objective os teaching Physics: Linkages with elementary and secondary level
- Role of experiments in science with particular reference to Physics
- Interface of Physics with mathematics

Unit-2 : Classroom Processes in Physics

- Lecture cum discussion, Problem solving, experimentation, investigatory projet, individually paced programmes, guided independent study, peer learning, seminar presentations, observation based survey

- Physics in daily life of the learners and its utility for enriching classroom learning
- Developing unit and learning plans in Physics
- Assessment of differential skills and processes while learning physics

Unit-3 : Laboratory Organisaton and Experimentation in Physics

- Organisation of physics laboratory: layout and design
- Storage of apparatus
- Maintenance at laboratory records
- Conduct and assessment of laboratory experiments and project work

पाठ्य-पुस्तकें

ED546	भौतिक विज्ञान शिक्षण	–जे. के. सूद
EDG68	Teaching of Physical Science	–J. K. Sood
EDG139	Teaching of Physical Science	–Sunita Sundriyal

PC: PEDAGOGY OF BIOLOGY

Unit-1 : Nature and Significance of Biology

- Nature of biology as a discipline in science; majore landmarks in the development of knowledge in biology;
- understanding contemporary issues in relation to biology;
- the changing character of school biology
- The contemporary curriculum and syllabus of Biology

Unit-2 : Curricular and Pedagogic Issues in Biology

- Objectives of teaching biological sciences at secondary and senior secondary level;
- Pedagogical practices: problem-solving, peer-learning and seminar presentation;
- Biology in dailiy life of the learners and its utility for enriching classroom learning
- Nature and structure of Learning Plan
- role of biology teacher in curriculum development and transation

Unit-3 : Laboratory and Related Work in Biology

- Biology teacher and organization of the Biology Laboratory
- Conduct and assessment of laborartory experiments and project works

पाठ्य-पुस्तकें

ED971	जीव विज्ञान का शिक्षण	–डी. एन. श्रीवास्तव
EDG107	Teaching of Biological Science	–Reena Bharti

PC: PEDAGOGY OF MATHEMATICS

Unit-1 : Mathematics: An Introduction

- Meaning, significance and nature of mathematics
- Mathematisation and it domains with reference to childr community and school
- Myth and misconception; children mathematisation and school
- Pedagogic implications of history of mathematics and some resea articles/papers
- Critical understanding of significance of mathematical axio postulates, propositions, logic, proofs algorithm in mathematisat
- Aims and objectives of Teaching Mathematics

Unit-2 : Mathematics: Understanding of Pedagogy and Curriculum

- Critical understanding of inductive-deductive, analytic-synthe laboratory method, problem solving and constructivist appro (Piaget, Vygostky, Dumo, Heile) with special reference to pedag implication for mathematics
- Critical understanding of mathematics curriculum, syllabus and books
- Hidden curriculum: In the context of democratizing mathema classroom and empowering learners' identity(self) in mathemati
- Nature and structure of Learning Plan in Mathematics

Unit-3 : Pedagogical Implication

- Threshold concepts of mathematics
- Ethno mathematics and folk mathematics in the context of s cultural underpinnings of learning-teaching.
- Material and situation based activities
- Mathematical kit, mathematical corner, mathematical laborator
- School building/space, monuments as learning aids.
- Projects (individual and group) ; concept, planning , enactment organization
- Issues and possibilities of recreational and learning without bur in mathematics learning: mathematical club, puzzles, games magic squares.
- Issues and possibilities of contextualizing learning-teach mathematics
- Mathematics teacher: qualities and belongings
- Concept, principles and new trends in planning of pedagogic proc and actions/strategies
- Constructing plan for content/content points and activity
- Constructing temporal plan and strategies

Unit-4 : Assessment of and for Mathematics Learning

- Concept and issues of measurement, assessment and evaluation in the context of school mathematics
- Modern trends of evaluation in school mathematics
- Continuous and comprehensive evaluation: Concept and tools
- Concept, types and remedies of erring and deviations in the learning-teaching of mathematics
- Achievement test: construction, conduction and report-writing
- Diagnostic test and remedial teaching

पाठ्य-पुस्तकें

ED1246 गणित का शिक्षणशास्त्र —रावत/अग्रवाल
EDG27 Teaching of Mathematics –Siyaram Yadav

PC: PEDAGOGY OF HOME SCIENCE

Unit-1 : Understanding Home Science

- Home Science: concept, components and importance
- Natue and scope of Home science at secondary and higher secondary level
- Study of local, national and international programmes relating to Health, Nutrition, Child Care, Housing, Consumer problems.
- Socially Useful Productive Work related to Home Science

Unit-2 : Curriculum of Home Science

- Objectives of teaching Home Science in Schools
- Scope of Home Science in School: Principles of curriculum planning; Critical study of Home Science syllabus and textbooks
- Development of Home Science syllabus.
- Correlation of Home Science with other school subjects

Unit-3 : Teaching-learning of Home Science

- Methods of teaching Home Science: Discussion, Demonstration, Laboratory work project. Problem solving, Field trip, Micro-teaching. Use of Community resources in teaching Home Science. Use of mass media in teaching Home Science
- Space and Equipment for Home Science
- Utility of Home science knowledge at school: Study of School lunch programmes; Development of unit in Home Science for adult/ out of school youth, based on needs and interests.
- Teaching Aids in teaching Home Science – audio and visual, Charts, graphs, specimens, samples short answer tests, score cards checklist.

- Learning plans for teaching Home Science.
- Evaluation in Home science: Tools and techniques

पाठ्य-पुस्तकें

ED078 गृह विज्ञान शिक्षण —डी. एन. श्रीवास्तव

PC: PEDAGOGY OF HINDI (हिन्दी का शिक्षणशास्त्र)

इकाई-1 हिन्दी भाषा : स्वरूप तथा विकास का संक्षिप्त इतिहास

- हिन्दी के विकास के विभिन्न काल खंडों से कुछ रचनाओं के उदाहरण द्वारा उनके आधार पर हिन्दी के स्वरूप को समझना।
- हिन्दी के स्वरूप को समझने के आधार : विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं तथा समाचार पत्रों में हिन्दी; दृश्य-श्रव्य माध्यमों में उपयोग में लाई जा रही हिन्दी; बी.एड. की कक्षा में उपयोग में लाई जा रही हिन्दी; सामान्य बोल-चाल की हिन्दी
- उपर्यक्त सभी स्थितियों के आधार पर हिन्दी के वाचिक रूपों की विविधता की समझ
- हिन्दी के वाचिक रूपों तथा लिखित रूप/रूपों के बीच अंत:सम्बन्धों की समझ
- संविधान में हिंदी : संविधान में कौन से अनुच्छेद हिन्दी से संबन्धित हैं ?
- त्रि-भाषा सूत्र में हिंदी।

इकाई-2 हिंदी-शिक्षण के उद्देश्यों (6-12 कक्षा) तथा पाठ्यपुस्तकों की आलोचनात्मक समझ

- स्कूल में हिंदी : विषय और माध्यम के रूप में।
- बिहार राज्य द्वारा अनुमोदित कक्षा 6-12 के लिए हिंदी के पाठ्यक्रम की समीक्षात्मक समझ।
- एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा अनुमोदित कक्षा 6-12 के लिए हिंदी के पाठ्यक्रम की समीक्षात्मक समझ।
- उपर्युक्त पाठ्यक्रमों में प्रत्येक स्तर के लिए दिए गए उद्देश्यों में परस्पर तार्किक संगतता की समीक्षा करने की समझ का विकास।
- मिडिल, माध्यमिक, तथा उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए भाषा उपयोग की दृष्टि से उपयुक्त पाठों का चयन करने के आधार कौन-कौन से हैं? उदाहरण के लिए; शब्द चयन, वाक्य संरचना (सरल, संयुक्त; या जटिल), पैराग्राफ, तार्किकता, वैचारिक जटिलता, शब्द शक्ति, बिंब, प्रतीक, छंद, अलंकार, मुहावरे, लोकोक्ति, सामाजिक-राजनैतिक मूल्य आदि के उपयोगों का स्तर।